मीठे-2 रुहानी बच्चो ने क्या सुना? वण्डर फुल नई बाते सुनी। कितनी समझ की बात है। साजन एक को कहा जाता है। सजनियां तो सभी भक्तो को कहा जाता है। भगवान और भक्त। भक्त कहने से मेल फीमेल दोनो आ जाते है। सभी भक्तो अथवा सजनियों का एक ही है साजन। एक-2 अक्षर का अर्थ समझना चाहिये। यहां पर तुमको बेसमझ से समझदार बनाना है। बेसमझ कहा ही जाता है तमोप्रधान = पत्थर बुधी को। भगवान को कहते है नां कि इनको अच्छी बुधी दो। अभी तुमको कितनी अच्छी बुधी मिल रही है। इन ल-न की कितनी अच्छी बुधी थी। यह विश्व के मालिक थे। विश्व का मालिक बनने मे जरुर उत्तम बुधी चाहिये नां। तुम जानते हो पहले हम नां रचता को नां ही रचना की आद मध्य अन्त को जानते थे। तो बेसमझ कहेंगे नां। अभी तुम ने कितनी लिफ्ट मिलती है। इनको रुहानी लिफ्ट कहा जाता है। रुहानी लिफ्ट का मैन भी अच्छा चाहिये नां। इस रुहानी लिफ्ट दवारा इस रुहानी लिफ्ट दवारा तुम एकदम ऊपर निर्वाण धाम मे चले जाते हो। बच्चो को यह सब बाते सुन कर रोमांच खडे हो जाने चाहिये। बाप हम सबको ऊपर ले जाते है। यह वण्डरफुल लिफ्ट है नां। कोई भी चीज देखने मे नही आती है। आत्मा उड़ती है। बुधी जैसे कि लिफ्ट मिसल बन जाती है। उस बुधी के बल से एकदम ऊपर चढ़ जाते है। चढ़ना उतरना सारा राज तुम्हारी बुधी मे है। बाप आकर तुम आत्माओं को कितना रिफ्रेश करते है। रिफ्रेश भी होते है तो बच्चे मधुबन मे आकर विश्राम भी पाते है। जब तुम नई-2 बाते सुनते हो तो कितनी मीठी लगती है। रुहानी लिफ्ट मिलने से तुम एकदम स्वीट होम मे चले जाते हो। यह रुहानी लिफ्ट और कोई भी मनुष्य मात्र दे नही सकते है। बाप समझाते है। मीठी-2 आत्मायें तुम असल मे तो शान्ति धाम में थी। फिर सुख धाम मे आई अब तो दुःखधाम है। सेकिंड मे सारा राज बुधी मे आ जाता है। सुखधाम मे सत, त्रेता के समय तक चला, सारा हिसाब अंगे अखरे बाप समझाते है। बाप एक होता है। बहुत बाप नही होते है। लौकिक सम्बन्ध मे तो अनेक बच्चे और अनेक ही बाप होते है। यह तो रुहानी एक बाप के अनेक बच्चे है। उस एक बाप को भी भगवान प्रभु ईश्वर कहा जाता है। बाप बच्चो को बैठ पढाते है कि सिर्फ मामेकम् याद करो। तो तुम प्योअर बन कर उड़ जावेंगे। प्योअर बने बिना तुम उड नही सकेंगे। है भी बहुत ही सहज बाते। बाप इस तन दवारा बैठ समझाते है कि मैंने इस प्रकृती का आधार लिया है। इनके भी जन्म बताते है। तो इनके ही 84 जन्म है। अब मै और कोई के तन मे आ ही कैस सकता हूं। जो शुरु से लेकर चक्कर लगाते-2 अन्त मे आये है उनके ही तन मे मुझे आना होता है। फिर उनको ही पहले नम्बर मे जाना है। यह ड्रामा को समझना है नां। लाखो वर्षो की तो बात हो ही नही सकती है। समझो कि कोई कहते भी है कि सतयुग को लाखो वर्ष हुये। तो भला अब कितना सम्वत कहेंगे? लाखो वर्ष की बात तो कोई को याद भी नही हो सकती है। इतना लम्बा सम्वत कहां से आवेगा? देखो विक्रम सम्वत भी तो दो हजार दो सौ दिखलाते है। तो यह तो सहज बात है कि कल्प तो है ही 5000 वर्ष का। परन्तु लाखो वर्ष कहकर कितना गोलमाल कर दिया है। बाप आकर कितना सहज समझाते है। यह बात तो सारी अखबारो मे भी जेवगी। कि कल्प 5 हजार वर्ष का है। वो विदवान पण्डित लोग तो लाखो वर्षो का कह देते है। कहते है कि कलयुग तो अजनं शुरु हुआ है। रेगडी पहल रहा है। तो घोर अन्धेरे मे सभी है नां। आग सामने खडी है। कहते भी है नां कि भभोर को आग लगी थी। बाप समझाते है कि रावण राज्य कोई सिर्फ भारत मे ही थोडेई है। यह सारी दुनियां में रावण का ही राज्य है। सारी दुनियां लंका है। शास्त्रो मे तो क्या-2 बाते लिख दी है। तुम से वो लोग पुछते है कि क्या तुम लोग शास्त्रो को नही मानते हो? कहो और वाह:— तुमको पता ही नही कि हमने तो दवापुर से लेकर गीता पढी है। सबसे जास्ती तो भक्ति हमी ने की है। 2500 वर्ष हमने गीता पढी है। परन्तु अभी हमको ज्ञान और भक्ति का पता पडा है। अभी बाप ने ज्ञान दिया है तो सदगति हो गई तो फिर हम भक्ति

भक्ति कैसे करेंगे? भक्ति से तो दुगति हुई नां। यह सभी पुआईन्टस है समझाने लिये। ऐसे भी नही कि सिर्फ समझाने से ही काम हो जाता है। पहले तो योग चाहिये। योग मे रह कर तुम मुरली चलावेंगे तो फिर तुम्हारी उस ज्ञान तलवार मे जवर भरेगा। बाप सर्वशक्तिवानी है तो उनसे ताकत मिलती है नां। बैरिस्टरी प्रढाने वाले को सर्वशक्तिवान कहा जाता है क्या? सर्व माना ही कि सारी दुनियां में से शक्तिवान। इसमे तो पहलवानी की तो बात ही नही है। शक्ति किसको कहा जाता है यह भी भारतवासी जानते थोडेई है। तुमको अब अनुभव है। जानते हो कि सर्वशक्तिवान शिव बाबा है। माया भी कम नही है वो भी सर्वशक्तिवान है।तुम बच्चो की बुधी मे बेहद के ड्रामा का सारा ज्ञान है। झाड कितना बड़ा होता है उसके पत्ते कोई गिनती गिनती कर सकेंगे क्या? बाप कहते है कि इन सभी बातो मे जाने से क्या फायदा। मूल बात है पतित से पावन होने की। बाप को कहते भी है कि बाबा आकर हमको पतित से पावन बनाओ। बाप ने समझाया है कि तुम सभी विशयष थे। यह (ल-न) वाईसलेस है नां। यह भी कोई मनुष्य मात्र समझते थोडेई है। इसलिये ही बाप के वाक्य है कि यह सभी जंगली जनावर आसुरी समप्रदाय हिरणाकश्यप आद है। सतयुग मे तो यह आसुरि समप्रदायो वाले नाम होते ही नही है। कृष्ण के लिये दिखलाते है कि स्वदर्शन चक्र से सभी को मारा।कहीं पर फिर दिखलाते है कि गईयां चराते थे। कहीं पर फिर कहते है कि गाली खाते थे। तो यह सभी बाते समझानी पडे कि कृष्ण मे गालियां क्यो खाई। कहते है कि चोथ का चन्द्रमा देखा फिर 2 को भगवाया। यही है सब दण्डकथाये। भक्ति मार्ग मे यह सब सुनते-2 नीचे ही उतरते आये है। सतोप्रधान से सतो रजो तमो तो बनना ही है।इस समय सभी है तमोप्रधान। जडजडीभूत अवस्था को पाये हुये। इस समय के तो छोटे-2 बच्चो की भी जडजडीभूत अवस्था है।वानप्रस्थी है क्योंकि खलास तो सभी को होना ही है नां कितना बडा झाड है। सारा ही तमोप्रधान है।इन बातो को तो कोई भी समझते नही है। बाप कितना समझाते है कि हे बच्चो जब तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान थी तो तुम डीटी डोयनेस्टी मे थे। अब तमोप्रधान बनने बनने से तुम डेवलडायेनेस्टी मे हो। समझते हो नां इस समय के मनुष्य मात्र सभी तुच्छ बुधी नर्कवासी है। अगर कहते हैं× कि कलियुग की आयु अजन 40 हजसर वर्ष हैं तो इस से और ही गन्दा नर्क बनेंगा। सुना हैं ना कृष्ण को काली दह में सर्प ने डसा।कृष्ण डांस करता था। बाबा ने बताया ना कि यह ब्रं× ग्रा गांव का छोड़ा था।काली दह में डांस करता था।काली दह में एक दो को डंसते रहते हैं।उनको कहा ही जाता हैं रौरव नर्क।परन्तु यह मनुष्यों को मालूम तब×छ पड़े जब स्वर्ग का समाचार भी सुने। लाखों वर्ष कह देने से किसको भी ख्याल मे में कुछ नहीं आता। अभी तुम पुरुषार्थ कर रहे हो मनुष्य से देवता बनने का। यह हार और जीत का खेल भारत पर ही बना हुआ हैं।माया से हारे हार हैं×... माया धन प्रोको नहीं कहा जाता।माया तो तुम्हारा बड़ा भारी दुश्मन हैं।जिनके पास धन हैं तो वह डांस करते रहते हैं। कृष्ण सब से शाहुकार था ना। बाप देखो कैसे बैठ समझाते हैं। इनके पास तो बहुत पैसे हैं।यह×राज्य× राज-भाग कैसे अ इसने पाया।यह भी तुम समझते हो। तुम ही खुद ह बनते हो। मनुष्य से देवता बनते हो ना। बाप हैं ही बेहद का मालिक तो उनको वातावरण भी ऐसा होगा ना। यह जैसे एक कहानी बैठ बताते हैं। लाखों वर्ष की कहानी तो किसको याद हो कैसे सकती हैं।क्रि× कृश्चन लोग पुरानी चीजों की बहुत वैल्यु रखते हैं। अब विचार करो तो पुरानी ते पुरानी क्या चीज होगी। कृष्ण का चित्र ही सब से पुराना होगा। अमेरिकन लोग को कोई पुरानी मूर्ति कृष्ण की मिलती हैं तो उनका×लाख लाख डेढ़ भी दे देते हैं। बहुत त्रास× दाम दे देते है।बहुत पैसा कमाते हैं।कोईसे पूछो कितने वर्ष की पुरानी हैं तो 5000 वर्ष, लाख दो लाख की पुरानी कह देते हैं। परन्तु अब बुधि कहती हैं पुरानी ते पुरानी हैं ही यह कृष्ण। इनकी मूर्ति बहुत दिल से लेते हैं। श्री नारायण के क्यों नहीं लेते। कहते हैं हमको तो लार्ड कृष्ण का चाहिए। क्योंकि वह फिर